M.G.S. UNIVERSITY, BIKANER

SYLLABUS

FACULTY OF ARTS

M.A. RAJASTHANI

M.A. Previous Examination-2018
M.A. Final Examination-2019

सूर्य प्रकाशन मन्दिर
दाऊजी रोड़ (नेहरू मार्ग), बीकानेर 5 (राज.)

© M.G.S. UNIVERSITY, BIKANER

Published by : SURYA PRAKASHAN MANDIR, BIKANER M. : 9829280717
For M.G.S. University, Bikaner

SCHEME OF EXAMINATION

Each theory paper 3 Hrs. duration 100 Marks
Dissertation/Thesis/Survey Report/Field Work. If any 100 Marks

1. The number of paper and the maximum marks for each paper practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the practical part (Whenever Prescribed) of a subject/Paper separately.
2. A candidate for a pass at each of the Pervious and the Final Examination shall be required to obtain (i) atleast 36% marks in the aggregate of all the paper prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical (s) whenever prescribed the examination, provided that if a candidate fails to atleast 25% marks in each individual paper work. Wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination not with standing his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for the examination. No division will be awarded at the Pervious Examination, Division hsall be awarded at the end of the Final Examination combined marks obtained at the Pervious and the Final Examination taken together, as noted below :
   First Division 60% of the aggregate marks taken together
   Second Division 48% of the Pervious and the final Examination.
   All the rest shall be declared to have hassed the examination.
3. If a candidate clears any paper (s) Practical(s)/Dissertation Prescribed at the Pervious and or/final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz 25% (36% in the case of practical) shall be taken into account in respect of such paper(s) Particle(S) Dissertation are cleared after the expert of the aforesaid period of three year, provided that in case where a candidate require more than 25% marks in order to reach the minimum aggregate as many marks out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make the deficiency in the requisite minimum aggregate.
4. The Thesis/Dissertation/Survey Report/Field Wrok shall be typs & written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Register atleast 3 weeks before the commencement of the theory examinations. Only such candidates shall be permitted to offer dissertation/Fields work/ Survey Report/Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured atleast 55% marks in the aggregate of all scheme and I and II semester examination taken in the case of semester scheme, irrespective of the number of paper in which a candidate actually appeared at the examination.

N.B. (i) Non-Collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per Provision of 170-A.

,e-,- jktLFkkuh 2017 & 18

एम.ए. राजस्थानी के पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध में कुल 09 प्रश्न पत्र होंगे, जिनमें चार प्रश्न पत्र पूर्वार्द्ध में और पांच प्रश्न पत्र उत्तरार्द्ध में होंगे । सभी प्रश्न पत्र 100 अंकों के होंगे। प्रश्न पत्रों की समयावधि 3 घंटे होगी ।

uksV:– समस्त प्रश्न पत्रों के उत्तर का माध्यम राजस्थानी भाषा होगा ।

,e-,- iwokZ) &2018

प्रथम प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य
तष्तीय प्रश्न पत्र	:	राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	राजस्थानी लोक साहित्य,संस्कृति एवं संत साहित्य

,e-,- mÙkjk)Z&2019

प्रथम प्रश्न पत्र	:	आधुनिक राजस्थानी काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	आधुनिक राजस्थानी गद्य
तष्तीय प्रश्न पत्र	:	काव्यशास्त्र एवं पाठालोचन
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट साहित्यकार–ईसरदास, मीरां बाई, जनकवि गणेशलाल व्यास "उस्ताद"(कोई एक विकल्प)
पंचम प्रश्न पत्र	:	निबंध / लघुशोध प्रबंध / पाठ–सम्पादन (कोई एक विकल्प)

,e-,- iwokZ) 2017 &18

izFke iz'u i= % izkphu ,oa e/;dkyhu dkO;

le; % 3 ?kaVs — **iw.kkZad % 100**

uksV % इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे। 2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा। 8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

v/;;u {ks=

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।
2. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।
3. भक्ति परक रचनाओं एवं रचनाकारों का विशिष्ट अध्ययन ।
4. प्राचीन रचनाओं एवं वीर रसात्मक रचनाओं का विशिष्ट अध्ययन ।

ikB~;iqLrd

रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास,
वेली क्रिसण रुकमणी री : पृथ्वीराज राठौड़
हालांझालां रा कुण्डलिया : ईसरदास
ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक

iFke bdkbZ

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।

f}rh; bdkbZ

रणमल्ल छंद से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

r`rh; bdkbZ

वेलि क्रिसण रुकमणी से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

prqFkZ bdkbZ

हालांझालां रा कुण्डलिया से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

iape bdkbZ

ढोला मारू रा दूहा से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

ikB~;iqLrd

1. रणमल्ल छंद : (सं.) मूलचन्द प्राणेश, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
2. वेलि क्रिसण रुकमणी री : (सं.) नरोत्तम दास स्वामी, श्रीराम मेहरा एण्ड संस, आगरा।
3. हालांझालां रा कुण्डलिया : डॉ. मोतीलाल मेनारिया, द्विवेदी पुस्तक भण्डार, उदयपुर।
4. ढोला मारू रा दूहा – सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक।

vfHkiLrkfor xzUFk

1. प्राचीन काव्य रूपों की परम्परा : अगरचन्द नाहटा, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
2. वेलि क्रिसण रुकमणी री : आनन्द प्रसाद दीक्षित
3. वेलि क्रिसण रुकमणी री : डॉ. पुरुषोत्तम आसोपा, बीकानेर
4. राजस्थानी की श्रेष्ठ कृतियां : माधोसिंह इन्दा
5. कीरत रा बखाण : डॉ. नमामीशंकर आचार्य, बीकानेर

f}rh; iz'u i= % ikphu ,oa e/;dkyhu x|

le; % 3 ?kaVs **iw.kkZd % 100**

uksV % इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे। 2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा। 8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

v/;;u {k=

1. प्राचीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।
2. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।
3. वचनिका परम्परा का अध्ययन।
4. राजस्थानी वात परम्परा का अध्ययन।
5. राजस्थानी वात परम्परा की समृद्ध एवं विस्तृत रचनाओं का अध्ययन।

iFke bdkbZ

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।

f}rh; bdkbZ

अचलदास खींची री वचनिका से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

r`rh; bdkbZ

राजस्थानीसाहित्य संग्रह भाग – 1 से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

prqFkZ bdkbZ

कुंवरसी सांखलो : मनोहर शर्मा से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

iape bdkbZ

जगदेव पंवार री बात : महावीर सिंह गहलोत से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

ikB~;iqLrd

1. अचलदास खींची री वचनिका : (सं.) भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
2. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 (सं.) डॉ. नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर ।
3. कुंवरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
4. जगदेव पंवार री बात : (सं.) डॉ. महावीर सिंह गहलोत, राजस्थान साहित्य मंदिर, जोधपुर ।

r`rh; iz'u i=% jktLFkkuh Hkk"kk ,oa lkfgR; dk bfrgkl

le;% 3 ?kaVs iw.kkZad % 100

ukV % इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे। 2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा। 8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा।

जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

v/;;u {k=

1. भाषा : भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा के अंग, भाषा के विकास के कारण।
2. लिपि : लिपि और भाषा का सम्बन्ध, लिपि का विकास, मुडिया लिपि का सामान्य परिचय।
3. राजस्थानी भाषा का उद्भव और विकास परम्परा का सामान्य परिचय बोलियां, उप बोलियां, डिंगल–पिंगल की सामान्य विशेषताएं, राजस्थानी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएं।
4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययनः कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा – धाराओं के अनुसार ।
5. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य का इतिहास।
6. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास।
7. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य एवं ग़द्य विधाएं।

नोट : इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्यसामग्री अभिप्रस्तावित ग्रन्थों से मिलेगी।

iFke bdkbZ

भाषा एवं लिपि का सामान्य सिद्धान्त का अध्ययन।

f}rh; bdkbZ

राजस्थानी भाषा : उद्भव एवं विकास का अध्ययन।

r`rh; bdkbZ

राजस्थानी साहित्य का प्राचीनकाल : युगीन परिवेश प्रवृतियां, रचनाएं एवं रचनाकार।

prqFkZ bdkbZ

राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल : युगीन परिवेश प्रवृतियां, रचनाएं एवं रचनाकार।

iape bdkbZ

राजस्थानी साहित्य का आधुनिककाल : विकास परम्परा एवं आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास एवं गद्य विधाएं।

vfHkiLrkfor xzUFk

भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली ।

राजस्थानी भाषा : डॉ. सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या : साहित्य संस्थान, उदयपुर ।

पुरानी राजस्थानी : एल. पी. टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह

राजस्थानी भाषा सर्वेक्षण : जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया
प्रकाशक : राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर ।

राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया

राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. कल्यााण सिंह शेखावत

राजस्थानी भाषा–एक परिचय : नरोत्तमदास स्वामी

राजस्थानीसबद कोस (प्रथम खण्ड) सं. सीतारांम लालस

प्रकाशकः राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर

डिंगल साहित्य : डॉ. गोवर्द्धन शर्मा

हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

प्राचीन भारतीय लिपिमाला : गौरीशंकर हीराचन्द ओझा

राजस्थानी व्याकरण : नरोत्तमदास स्वामी
मारवाड़ी व्याकरण : रामकरण आसोपा
राजस्थानी व्याकरण : सीताराम लालस

prFk i'u i=% jktLFkkuh yksd lkfgR;] lLÑfr ,o lr lkfgR;

le; % 3 ?kV — iw.kkd % 100

ukV % इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे। 2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा। 8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

v/;;u {k=

1. लोक साहित्य के संदर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, लोकमानस का स्वरूप एवं विशेषताएं।
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधाओं के अनुसार वर्गीकरण ।
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकरण ।
4. राजस्थानी लोककथा, लोकगीत एवं लोकगाथा का विशिष्ट अध्ययन ।
5. राजस्थानी लोकदेवी–देवताओं का परिचय ।
6. राजस्थान के प्रमुख संतों एवं संत सम्प्रदायों का परिचय

ukV:– इस प्रश्न पत्र हेतु विषय सामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त होगी ।

iFke bdkb

लोक साहित्य : लोक एवं लोकमानस : परिचय, परिभाषा, लोकतत्त्व आदि का अध्ययन।

f}rh; bdkb

लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण का अध्ययन।

r`rh; bdkb

लोककथा, लोकगीत, लोकगाथा का अध्ययन।

prFk bdkb

राजस्थानी लोकदेवी–देवता का अध्ययन।

ipe bdkb

राजस्थानी संत एवं संत सम्प्रदायों का सामान्य अध्ययन।

vfHkiLrkfor xFk

राजस्थानीलोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन : डॉ. सोहनदान चारण
राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियां : डॉ. महेन्द्र भानावत
लोक साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र

लोक साहित्य की भूमिका	: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
भारतीय लोक वाड़्गमय	: श्याम परमार
लोक धर्म	: वासुदेवशरण अग्रवाल
लोक साहित्य (व्याख्यान)	: झवेरचन्द मेघानी
राजस्थानी लोक साहित्य	: नानूराम संस्कर्ता
तेजाजी	: डॉ. कन्हैयालाल सहल
तेजाजी	: डॉ. महेन्द्र भानावत
मध्यकालीन भारतीय संस्कृति	: गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
नाथ सम्प्रदाय	: डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

,e-,- mÙkjk)Z 2018&19

iz Fke iz'u i= % vk/kqfud jktLFkkuh dkO;

le; % 3 ?kaVs **iw.kkZad % 100**

uksV % इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे। 2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा। 8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

v/;;u {ks=

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन।
2. आधुनिक काल की प्रारंभिक महत्त्वपूर्ण रचनाओं का विस्तृत अध्ययन।
3. भाव, भाषा एवं शिल्प के बदलते स्वरूप के आधार पर आधुनिक रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ।

ikB~; iqLrdsa

1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण
2. बादळी : चन्द्र सिंह
3. राधा : सत्यप्रकाश जोशी
4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया

iz Fke bdkbZ

आधुनिक राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन।

f}rh; bdkbZ

वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण व्यक्तित्व, कृतित्व एवं व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन।

r`rh; bdkbZ

बादळी : चन्द्रसिंह व्यक्तित्व, कृतित्व एवं व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन।

prqFkZ bdkbZ

राधा : सत्यप्रकाश जोशी व्यक्तित्व, कृतित्व एवं व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन।

iape bdkbZ

लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया व्यक्तित्व, कृतित्व एवं व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन।

ikB~; iqLrdsa

1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण, सं. पतराम गौड़, ईश्वरदान आशिया, कन्हैयालाल सहल, प्रकाशक : बंगाल हिन्दी मण्डल ।
2. बादळी : चन्द्रसिंह, चांद जलेरी प्रकाशन, जयपुर ।
3. राधा : सत्यप्रकाश जोशी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर ।
4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया, कलकत्ता ।

vfHk iLrkfor xzFk

1. परम्परा : सूर्यमल्ल मीसण विशेषांक तथा हेमांणी अंक ।
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
2. राजस्थानी की श्रेष्ठ कृतियां : माधोसिंह इंदा ।
3. वीरसतसई : डॉ. शंभुसिंह मनोहर, स्टूडेन्ट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर

f}rh; iz'u i= % vk/kqfud jktLFkkuh x|

le; % 3 ?kaVs | **iw.kkZad % 100**

uksV % इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे। 2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा। 8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

v/;;u {ks=

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा का अध्ययन।
2. आधुनिक गद्य विधाओं में निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र एवं आदि साहित्य का विशिष्ट अध्ययन।

ikB~; iqLrdsa

1. बुगचो : मूलदान देपावत
2. तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'
   आज री राजस्थानी कहानियों : रावत सारस्वत : प्रेमजी 'प्रेम'
4. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा

iFke bdkbZ

आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा एवं गद्य विधाओं का अध्ययन।

f}rh; bdkbZ

बुगचो : मूलदान देपावत से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

r`rh; bdkbZ

तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

prqFkZ bdkbZ

आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

iape bdkbZ

मेवै रा रूंख ?: अन्नाराम सुदामा से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

ikB~; iqLrdsa

1. बुगचो : सांखला प्रिन्टर्स, बीकानेर
2. आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत, प्रेमजी 'प्रेम' साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली। (पाठ्यक्रम में (कहानी सं.) 3, 4, 10, 12, 15, 16, 18, 22, 23, 24, 27, 28)
   कहानियां – मास्टरजी, 4. गीतां रो बावळियो, 10. भारत भाग्यविधाता, 12. खजानो, 15, तगादो, 16. करड़ी आंच, 18. बरसगांठ, 22. संजीवण, 23. रजपूताणी, 24. अलेखूं हिटलर, 27. अमर मिनख, 28. सुकड़ीजता आंगणा)
3. तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'
4. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा ।

vfHkiqLrkfor xzaFk

1. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तिया : डॉ. किरण नाहटा, प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
2. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा ।
3. पोथी दर पोथी : डॉ. किरण नाहटा ।

r`rh; iz'u i=% dkO;'kkL= ,oa ikBkykspu

le;% 3 ?kaVs | **iw.kkZad % 100**

uksV % इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे। 2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा। 8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

v/;;u {ks=

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का अध्ययन।

2. विभिन्न काव्यरूपों का अध्ययन।
3. राजस्थानी काव्यशास्त्र और छन्दशास्त्र का अध्ययन।
4. पाठालोचन के सिद्धान्त एवं पाठसम्पादन की प्रक्रिया का अध्ययन।

ukV~&इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्यसामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त की जा सकेगी।

bdkbZ 1

साहित्य का स्वरूप तथा विवेचन, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से साहित्य के तत्त्व, काव्य की मूल प्रेरणा और प्रयोजन।

bdkbZ 2

रस सिद्धान्त : रस निष्पत्ति, साधारणीकरण,
अलंकार सम्प्रदाय, वक्रोत्ति सिद्धान्त (स्वरूप और भेद)
ध्वनि सिद्धान्त (ध्वनि का अर्थ और भेद)

bdkbZ 3

अरस्तू के काव्य सिद्धान्त (अनुकृति सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त एवं काव्यरूपों का विवेचन), क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, आई. ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त (मूलसिद्धान्त)

bdkbZ 4

राजस्थानी छन्दशास्त्र का परिचय, अलंकार, काव्य–दोष

bdkbZ 5

पाठालोचन की परिभाषा, स्वरूप और सिद्धान्त

vfHkizLrkfor xzUFk

1.	रस मीमांसा	:	रामचन्द्र शुक्ल
2.	भारतीय साहित्य शास्त्र	:	डॉ. मिथलेश तथा विमलेश कान्ति
3.	साहित्य शास्त्र री ओळखाण	:	गौरी शंकर प्रजापत
4.	काव्यशास्त्र एक भारतीय दीठ	:	डॉ. वेंकट शर्मा
5.	समीक्षा सिद्धान्त	:	डॉ. राम प्रकाश
6.	सीरजण री साख	:	डॉ. मदन सैनी
7.	भारतीय पाठालोचन की भूमिका	:	डॉ. एस. एस. कत्रे
8.	रघुवर जस प्रकास	:	किसना आढा प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
9.	राजस्थानी साहित्य मीमांसा	:	डॉ. माधेसिंह इंदा

prqFkZ iz'u i= % fof'k"V lkfgR;dkj

le; % 3 ?kaVs   **iw.kkZad % 100**

ukV % इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे। 2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा। 8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा।

जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

v/; ;u {k=

विशिष्ट साहित्यकार के अध्ययन के संबध में तीन साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व को अध्ययन का आधार बनाया गया है। विद्यार्थी इन तीनों में से एक साहित्यकार का चयन करेंगे–

1. ईसरदास 2. मीरां बाई 3. जनकवि गणेशलाल व्यास ''उस्ताद''

ikB; iLrd

प्रत्येक साहित्यकार के लिये निम्नाकिंत पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण किया गया है, जिनमें से एक का अध्ययन करना होगा।

1. हरिरस : ईसरदास (कुल 50 पद)
2. मीरां पदावली– सं. शम्भूसिंह मनोहर (पद सं. 1 से 101 तक)
3. जनकवि उस्ताद : सं. रावत सारस्वत, रामेश्वर दयाल श्रीमाली : प्रकाशक – राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर।

gfjjl % bl jnkl

bdkb & 1

ईसरदास बारहठ का जीवन परिचय एवं चरित्र का अध्ययन।

bdkb & 2

ईसरदास बारहठ की रचना प्रक्रिया, कृतित्व एवं सृजन का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

bdkb&3

ईसरा परमेसरा के हरिरस का व्याख्या परक अध्ययन।

bdkb&4

हरिदास का आलोचनात्मक अध्ययन।

bdkb&5

भक्तवर ईसरदास की अन्य रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन।

ehjk eDrkoyh

bdkb&1

जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व का अध्ययन।

bdkb&2

सामाजिक, राजनैतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का अध्ययन।

bdkb&3

मीरां की भक्ति भावना एवं कृष्ण भक्ति काव्य का समालोचनात्मक अध्ययन।

bdkb&4

मीरा पदावली के पदों का भाव परक अध्ययन।

bdkb&5

मीरां पदावली के पदों का आलोचनात्मक अध्ययन।

x.k'kyky 0;kl mLrkn

bdkb&1

गणेशलाल व्यास ''उस्ताद'' का जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

bdkbZ&2

''उस्ताद'' के समकालीन परिस्थितियों का अध्ययन।

bdkbZ&3

उस्ताद का जन कवि रूप (राष्ट्रभावना, राष्ट्रप्रेम, शोषण के विरूद्ध काव्यद्ध

bdkbZ&4

जनजागरण एवं जन चेतना के काव्य का अध्ययन (कृषक एवं मजदूर व नारी का काव्य)।

bdkbZ&5

आजादी के पश्चात की काव्य रचनाओं का अध्ययन एवं प्रगतिशील विचारधारा का अध्ययन।

vfHkiLrkfor xzUFk

1. कलम रो उस्ताद : विजयदांन देथा
2. मीरां मुक्तावली : सं. नरोत्तमदास स्वामी
3. गणेशलाल व्यास ''उस्ताद'' : (विनिबंध)
4. मीरां बृहद्पदावली : स्व. हरिनारायण पुरोहित
5. ईसरदास बाहरठ : (विनिबंध) प्रकाशक साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

iape iz'u i=& fucU/k @ y?kq'kks/k @ ikB lEiknu

le;& 3 ?kaVs iw.kkZad& 100

fucU/k

निर्देश (1)– इस प्रश्न में दस में से किसी एक साहित्यिक विषय पर निबंध लिखना होगा।
निर्देश (2)– यह निबंध राजस्थानी भाषा में ही लिखना होगा।

vFkok

y?kq"kks/k izcU/k

लघुशोध प्रबंध लिखने की अनुमति उसी नियमित विद्यार्थी को दी जाएगी, जिसने एम ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा में 55 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त किये हों ।

लघुशोध प्रबंध हेतु विद्यार्थी को टंकित 100 पृष्ठों में लघुशोध प्रस्तुत करना होगा। इस शोध प्रबंध का माध्यम भी राजस्थानी ही होगा। लघु शोध प्रबंध किसी प्राध्यापक के निर्देशन में तैयार किया जाएगा, जिसके लिये एक विषय निर्धारित किया जाएगा, जो राजस्थानी साहित्य से संबधित होना चाहिये।

vFkok

ikB lEiknu

इस प्रश्न पत्र को वे ही नियमित छात्र दे सकेंगे, जिनके 60 प्रतिशत अथवा अधिक अंक होंगे। पाठ सम्पादन कार्य हेतु विषय निर्धारण एवं मार्गदर्शन हेतु महाविद्यालय के राजस्थानी प्राध्यापक के मार्गदर्शन में ही कार्य करना होगा। पाठ सम्पादन हेतु वही हस्तलिखित ग्रन्थ स्वीकृत होगा, जिसके कम से कम 20 पष्ठ हों तथा हस्तलिखित दो प्रतियां उपलब्ध हों। सम्पादन की पुष्टि के लिये हस्तलिखित प्रतियों के कुछ पृष्ठों की फोटो प्रति भी सम्पादन के साथ संलग्न किया जाना आवश्यक होगा। सम्पादन का कार्य राजस्थानी में ही किया जाना है।